08 अक्टूबर 2020

विशेष रिपोर्ट

कॉटन

अक्टूबर

smc
Moneywise. Be wise.

पिछले महीने के दौरान, एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों में 4.83% की बढ़ोतरी हुई और कीमतें 17400 रू के निचले स्तर से 18240 रू के स्तर पर पहुंच गई। विश्व बाजार की तुलना में घरेलू बाजार में कपास की कम कीमतों के कारण निर्यात में बढ़ोतरी होने की उम्मीद से कीमतों को मदद मिली ।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, संयुक्त राज्य अमेरिका में शैली और बीटा तूफानों के कारण फसल की स्थिति बिगड़ने की आशंका से आईसीई में कॉटन वायदा की कीमतों में लगभग 6% की बढ़ोतरी हुई और कीमतें 63.04 के निचले स्तर से 5 महीने के उच्चतम स्तर 66.93 सेंट पर पहुंच गई है।

आईसीई में कॉटन वायदा का चार्ट

स्रोत: रॉयटर्स

एमसीएक्स में कॉटन वायदा का चार्ट

स्रोत: रॉयटर्स

घरेलू फंडामेंटल

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, 2020-21 के फसल वर्ष (जुलाई-जून) के चालू खरीफ सीजन में अब तक कपास की बुआई पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.24 प्रतिशत बढ़कर 128.95 लाख हेक्टेयर हो गया है।
- यूएसडीए के अनुसार, बाजार वर्ष 2020/21 में भारत का कपास उत्पादन 13 मिलियन हेक्टेयर के क्षेत्र में 29.4 मिलियन बेल (1 बेल 480 पौंड का) होने का अनुमान है। पिछले वर्ष की तुलना में बुवाई की गति 3 प्रतिशत अधिक है, और कुछ दक्षिणी राज्यों को छोड़कर, समय से पहले बुआई पूरी हो गई थी।
- लंबे रेशे वाली कपास की नई फसल की आवक उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में शुरू हो गई है। जबकि मात्रा बहुत कम है, पिछले साल से खेतों पर कीमतें बाजार की कीमतों से काफी कम हैं।
- इस सीजन में औसत राष्ट्रीय उत्पादकता लगभग 492 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है, जो पिछले साल की तुलना में दो प्रतिशत अधिक है।
- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, और ओडिशा में भारी बारिश और प्रचलित मौसम की स्थिति कपास में चूसने वाले कीटों के लिए अनुकूल है, और फसल फूल/फल लगने के चरण में है।
- कुछ जिलों में अधिक बारिश हुई है और किसानों को खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की सलाह दी गई है। खेत में अधिक नमी के कारण, पौधे मिट्टी के पोषक तत्वों को अवशोषित करने में विफल हो सकते हैं। मौजूदा बारिश और बादल छाए रहने की स्थिति कपास में विल्ट का संक्रमण होता है।
- यूएसडीए का अनुमान है कि बाजार वर्ष 2020/21 में कपास की खपत 22.5 मिलियन बेल (480 पौंड का) (29.45 मिलियन बेल, 170 किलोग्राम का) का अनुमान है।
- पिछले कुछ महीनों में मिल की ओर से खरीद में धीरे-धीरे सुधार हुआ है, जो मोटे तौर पर ज्यादातर बांग्लादेश, चीन और वियतनाम को धागे का निर्यात से करने के लिए हो रही है। बाजार स्रोतों से संकेत मिलता है कि मिलें वर्तमान में 75-80 प्रतिशत की क्षमता पर चल रही हैं, जिसके अगले दो महीनों में बेहतर होने की संभावना है।
- व्यापार स्रोतों से संकेत मिलता है कि उत्तरी भारत में मिलें 40-45 दिनों के लिए स्टॉक ले जा रही हैं। बड़ी मिलें 60-70 दिनों के बीच स्टॉक ले जा रही हैं, जबकि छोटी मिलें 20-40 दिनों के लिए स्टॉक ले जा रही हैं। इसी तरह, दक्षिणी भारत की मिलें लगभग 45 दिनों के लिए स्टॉक ले जा रही हैं।
- निर्यात के मोर्चे पर, बाजार वर्ष 2020/21 में कपास का निर्यात 4.3 मिलियन बेल (480 पौंड का) (5.5 मिलियन (170 किग्रा का) होने का अनुमान है । ब्राजील और पश्चिम अफ्रीका से अन्य विदेशी मूल के कपास से प्रतिस्पर्धा से निर्यात सीमित रह सकता है।
- भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में हुए समझौते के तहत कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बांग्लादेश को सीधे निर्यात करना शुरू कर दिया है, जो भारत के बड़े भंडार को दूर करने में मदद करेगा। बांग्लादेश, चीन और वियतनाम में मांग में बढ़ोतरी के साथ ही सूती धागे का निर्यात धीरे-धीरे बढ़ रहा है। तुर्की और पुर्तगाल से भी मांग बढ़ी है।

2020/21 के लिए नई न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा और खरीद

- 1 सितंबर को, कपड़ा मंत्रालय ने भारतीय मार्केटिंग वर्ष (अक्टूबर/सितंबर) 2020/21 सीजन के लिए विभिन्न कपास वर्गों/किस्मों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रकाशित किया। न्यूनतम समर्थन मूल्य 1 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी हो गया। लंबे स्टेपल शंकर-6 किस्म के लिए एमएसपी पिछले साल से पांच प्रतिशत बढ़कर 5,775 रू प्रति 100 किलोग्राम हो गया है।
- कपास बाजार सीजन 2020-21 की आवक पहले ही शुरू हो चुकी है और सरकार पिछले सत्रों में जारी एमएसपी योजनाओं के अनुसार किसानों से एमएसपी पर खरीफ 2020-21 फसलों की खरीद जारी रखा है। खरीफ मार्केटिंग सीजन 2020-21 के दौरान कपास बीज की खरीद भी 1 अक्टूबर 2020 से शुरू हो गई है और 4 अक्टूबर 2020 तक, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने हरियाणा से एमएसपी के तहत 147 बेल को 40.80 लाख रुपये में खरीदा है, जिससे 29 किसान लाभान्वित हुए है।

सितम्बर 2020 में कपास की राज्यवार थोक कीमतें (रू/क्विंटल में)

हाजिर बाजार में आवक

Prices in Rs/Quintal

राज्य	सितम्बर 2020 में	अगस्त 2020 में	सितम्बर 2019 में	अगस्त 2020 की तुलना में % बदलाव	सितम्बर 2019 की तुलना में % बदलाव
गुजरात	4434	4267	5400	3.92	-17.88
कर्नाटक	4999	4728	5303	5.74	-5.72
पांडीचेरी	4309	4306	4118	0.07	4.63
तमिलनाडु	4538	4727	5665	-4.00	-19.89
औसत	4570.1975	4507.025	5121.43		

स्रोतः एगमार्क

अंतरराष्ट्रीय फंडामेंटल

- यूएसडीए के अनुसार, नवीनतम अनुमानों से संकेत मिलता है कि 2020/21 में वैश्विक स्तर पर कपास का अंतिम स्टॉक 103.8 मिलियन बेल रहने का अनुमान है जो 2019/20 से लगभग 4.5 प्रतिशत अधिक है।
- वैश्विक स्तर पर मिलों द्वारा कपास का उपयोग 16 साल के निचले स्तर से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 112.7 मिलियन बेल होने का अनुमान है, क्योंकि 2020/21 में विश्व अर्थव्यवस्था में उछाल दर्ज किए जाने की उम्मीद है।
- इस बीच, इस सीजन में वैश्विक कपास व्यापार के थोड़ा बढ़ने का अनुमान है। 2020/21 में विश्व स्तर पर कपास का निर्यात 41.7 मिलियन बेल का अनुमान है, जो 2012/13 के बाद तीसरा रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है।
- यूएसडीए की सितंबर फसल उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में अमेरिकी कपास का उत्पादन लगभग 17.1 मिलियन बेल होने का अनुमान है जो अगस्त के अनुमान से 1 मिलियन कम और 2019 की फसल से 2.8 मिलियन बेल कम रहने का अनुमान है।
- सितंबर में मिलों द्वारा उपयोग और निर्यात दोनों कम होने के कारण 2020/21 के लिए अमेरिकी कपास की मांग का अनुमान 3 प्रतिशत (600,000 बेल) कम करके 17.1 मिलियन बेल कर दिया गया है- जो 5 वर्ष में सबसे कम है। 2020/21 में अमेरिकी मिलों द्वारा 2.5 मिलियन बेल उपयोग होने का अनुमान है जो 2019/20 की तुलना में 16 प्रतिशत से अधिक है। इस बीच, 2020/21 में अमेरिकी कपास निर्यात 14.6 मिलियन बेल होने का अनुमान है।
- स्टॉक और उपयोग का अनुपात थोड़ा बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन 2020/21 के अंत तक 42 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

आउटलुक

- कॉटन वायदा (अक्टूबर)की कीमतों में तेजी का रूझान है इसलिए कीमतों में गिरावट होने पर 17700-17800 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है जबकि कीमतों में 18700-19200 रू तक बढ़ोतरी हो सकती है।
- 2020-21 में शुरुआती स्टॉक लगभग 100 लाख बेल है। लेकिन इसमें से ज्यादातर या लगभग 80-85 लाख बेल सरकारी एजेंसियों के पास होंगी, और बाकी मिलों के पास। इसलिए, नई फसल आने के बाद, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मास्क और मेडिकल उत्पादों के निर्माताओं की ओर से मांग बढ़ सकती है।
- लेकिन व्यापारी दिवाली के बाद अच्छे निर्यात की आशंका जता रहे हैं, लेकिन यह सब नयी कपास की गुणवत्ता के साथ-साथ वैश्विक कपड़ा उद्योग की मांग पर निर्भर करता है। कम घरेलू कीमतों के साथ मास्क और सर्जिकल कपड़ों के उत्पादन के लिए वैश्विक मांग में वृद्धि की उम्मीद है, जिसने विदेशी बिक्री को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बना दिया है।
- 2020-21 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में भारतीय कपास का निर्यात काफी बढ़ने की संभावना है। व्यापार सूत्रों का कहना है कि 2019-20 में लगभग 50 लाख बेल (प्रत्येक 170 किलोग्राम) से निर्यात 30 प्रतिशत बढ़कर 60-65 लाख बेल हो सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, आईसीई कॉटन वायदा (दिसंबर) की कीमतों के 63-68 सेंट प्रति पाउंड के दायरे में स्थिर रहने की संभावना है।

- 2019 की अवधि की तुलना में 2020 की पहली छमाही के दौरान कुल अमेरिकी सूती कपड़ा और परिधान व्यापार में काफी गिरावट आई है, लेकिन वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान इसमें सुधार होने की उम्मीद है।
- यद्यपि विभिन्न उद्योगों की रिकवरी अलग-अलग होने की उम्मीद है, हाल ही में कपास उत्पादों का आयात-कपड़ा और परिधान उद्योग के लिए- एक महत्वपूर्ण सुधार की ओर संकेत करते हैं और मौजूदा रिकवरी का समर्थन करते हैं।
- ख कैलेंडर वर्ष 2021 में अपेक्षाकृत मजबूत वैश्विक आर्थिक विकास का आउटलुक इस मौसम में मिलों की ओर से उपयोग में संभावित वृद्धि की ओर संकेत करता है क्योंकि 2020/21 में अधिकांश देशों की कपास मिलों द्वारा उपयोग बढ़ने का अनुमान है।

एमसीएक्स में कॉटन वायदा का फॉरवर्ड कर्व

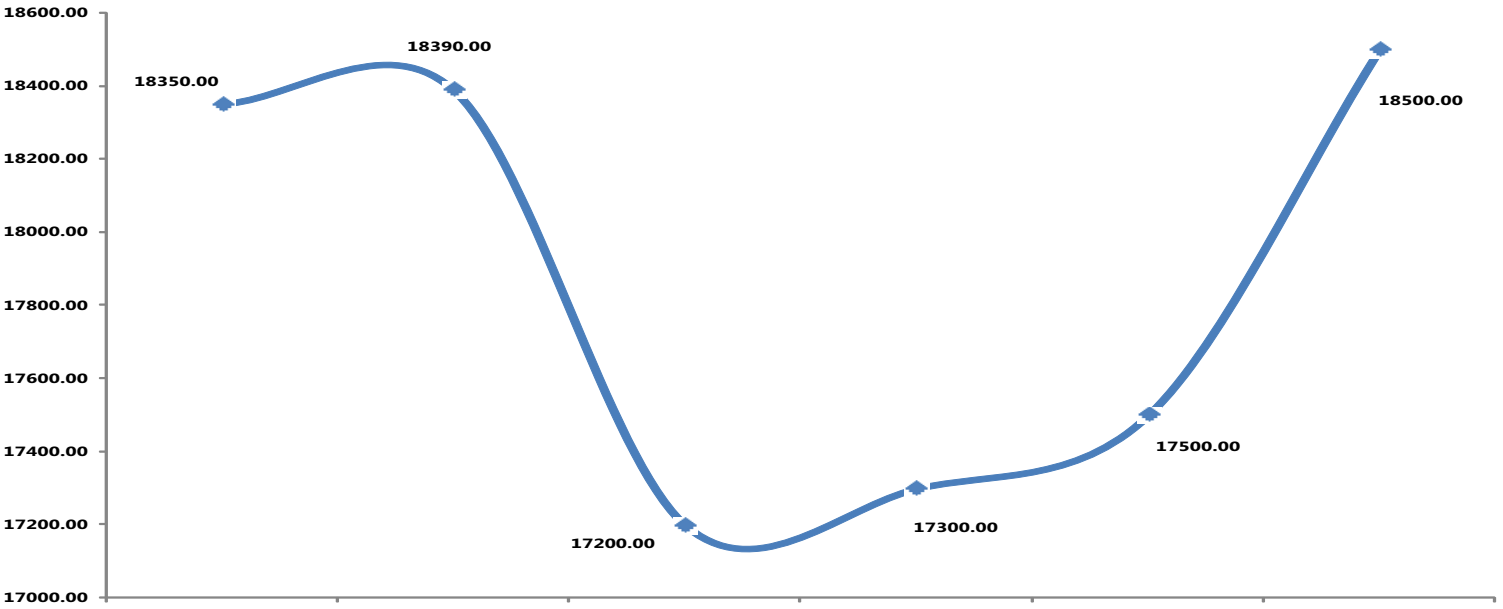

05 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

स्रोत: एमसीएक्स

आईसीई में कॉटन वायदा का फॉरवर्ड कर्व

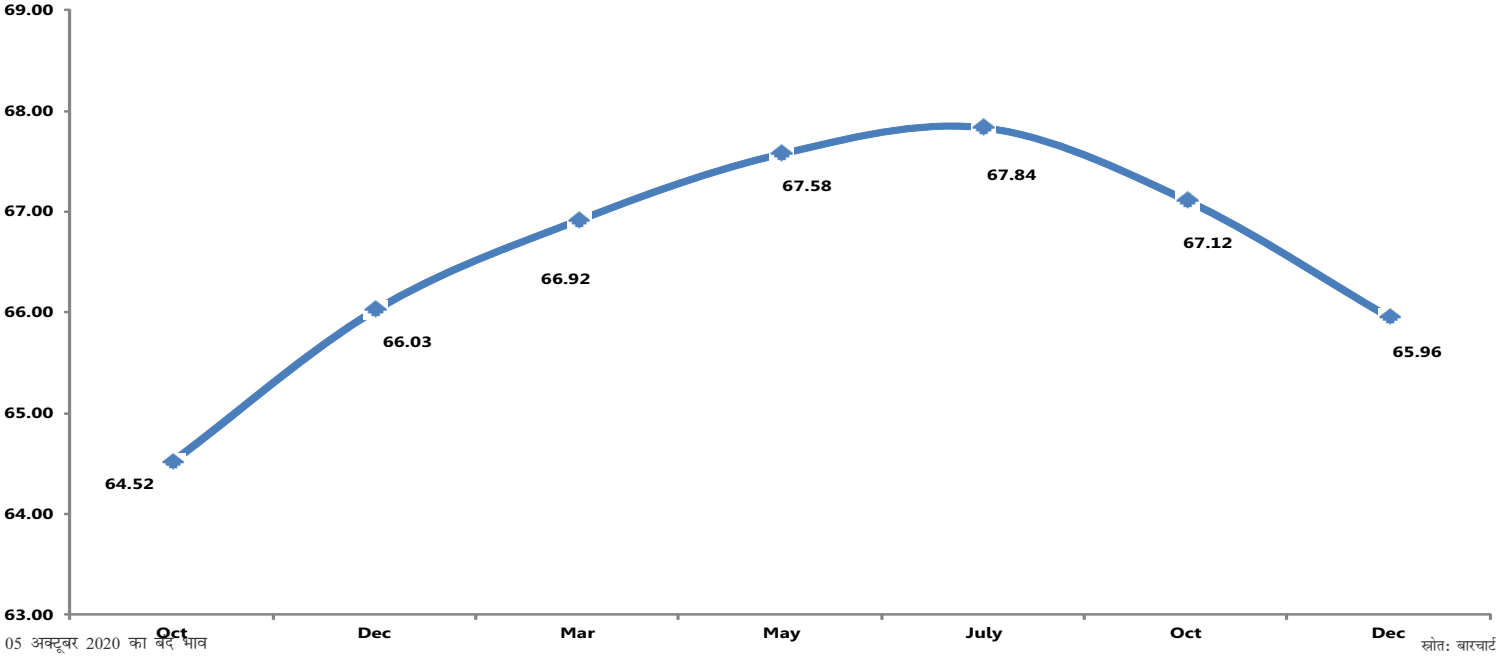

05 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

स्रोत: बारचार्ट

Moneywise. Be wise.

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Moneywise. Be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।